(b) if so, the details thereof and the reaction of Government thereto;

(c) whether the workers are at a Dharna at the Washery Gate of Kathara from 4th May, 1992 against such fraud under Bihar Colliery Kamgar Union (CITU);

(d) if so, the details thereof alongwith their demands and the steps taken thereon;

(e) whether Government have received any papers and representations also on this matter; and

(f) if so, the details thereof and the steps taken thereon?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COAL (SHRI S. B NYAMAGOUDA): (a) to (f) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

देश में कोयले के भंडार

3119. **श्री अजीत जोगी :**
श्री छोटूभाई पटेल :

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कोयला भंडारों का ब्यौरा क्या है और ये किन-किन स्थानों पर हैं ;

(ख) 1991-92 के वर्ष के लिए कोयले की खोज हेतु क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया था और 31 दिसम्बर, 1991 तक इस लक्ष्य की प्राप्ति में कितनी सफलता प्राप्त हुई थी ;

(ग) वर्ष 2000 तक के लिए कोयले की खोज हेतु क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है ;

(घ) क्या सरकार उक्त लक्ष्य की प्राप्ति के लिए राज्य सरकारों, विद्युत बोर्डों और कोल इंडिया लिमिटेड की सहायता लेने का विचार रखती है ;

(ङ) यदि हां, तो सरकार ने इस बारे में क्या कदम उठाए हैं, और

(च) क्या विद्युत उत्पादन का कार्य निजी क्षेत्र को सौंपने के प्रस्ताव को देखते हुए, सरकार गैर सरकारी क्षेत्र को अपनी निजी खपत के लिए "कैप्टिव" खानों में कोयले की खोज करने की अनुमति देने का विचार रखती है ?

कोयला मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री एस. बी. नयमेगौड़ा) : (क) भारतीय भू-सर्वेक्षण द्वारा दिनांक 1-1-92 की स्थिति के अनुसार 1200 मीटर की गहराई पर 196.02 बिलियन टन कोयले के भंडार होने का अनुमान लगाया गया है। भारत में कोयला भंडार पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश राज्यों के तलछटी मैदानों में और उत्तर पूर्वी क्षेत्रों में विद्यमान है।

(ख) वर्ष 1991-92 के दौरान ड्रिल किए जाने वाले मीटरी लक्ष्य और वास्तविक उपलब्धि नीचे दी गई है :—

(आंकड़े लाख मीटरों में)

कंपनी	लक्ष्य (1991-92)	वास्तविक (अप्रैल-दिसम्बर, 1991)
कोल इंडिया लि०	2.66 (संशोधित)	2.02
सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लि.	1.20	0.65

(ग) आठवीं योजना अवधि में समग्र रूप में योजना आयोग ने कोल इंडिया लि. के लिए 15.06 लाख मीटर और सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लि० के लिए 5.40 लाख मीटर का ड्रिलिंग कार्यक्रम निर्देशित किया है। नौवीं योजना अवधि के दौरान ड्रिलिंग किए जाने वाला कार्यक्रम अभी तैयार नहीं किया गया है।

(घ) से (च) कोल इंडिया लि० के अंतर्गत आने वाले कोयला क्षेत्रों में विस्तृत अन्वेषण कार्य के लिए केन्द्रीय खान आयोजन एवं डिजाइन संस्थान लि० विस्तृत नोडल एजन्सी के रूप में कार्यरत है। गोदावरी घाटी कोयला क्षेत्र में अन्वेषण कार्य सिंगरेनी

कोलियरीज कंपनी लि० द्वारा किया गया है। वास्तविक ड्रिलिंग कार्य अंशतः विभागीय रिगों के माध्यम से और अंशतः मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०, राज्य सरकारी एजेंसियों आदि को कार्यरत करके किया जा रहा है। एक बार गृहीत खानों का विकास निजी क्षेत्र द्वारा किए जाने की अनुमति दिए जाने पर पट्टेदार, पट्टे पर दिए गए क्षेत्र में अन्वेषण कार्य कर सकते हैं बशर्ते कि यह कार्य सांविधिक प्रावधानों के अन्तर्गत हो।

कोल इंडिया लिमिटेड की खानों के निकट कोयले के भंडार

3120. **श्री अजीत जोगी :**
श्री छोटूभाई पटेल :

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों से और आज की स्थिति के अनुसार कोल इंडिया लिमिटेड की खानों के निकट गैर कोकिंग कोयले का अनुमानतः कितना भंडार पड़ा हुआ है और उसका मूल्य कितना है ; और

(ख) इन भंडारों का किस प्रकार निपटान किए जाने का विचार है ?

कोयला मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री एस० बी० नयमेगौड़ा) : (क) दिनांक 30-6-92 की स्थिति के अनुसार और पिछले तीन वर्षों के दौरान कोल इंडिया लि० की खानों में अकोक्कर कोयले का कुल सूचित किया गया स्टाक नीचे दिया गया है :—

(अंतिम) (करोड़ रु० में)

निम्नलिखित दिनांक को स्थिति	मिलियन टन में भंडार	भंडार की कीमत*
30-6-92	26.14	341.71
31-3-92	30.31	975.98
31-3-91	26.56	661.34
31-3-90	26.28	704.17

*1990 और 1991 के लिए 249 रु० प्रति टन तथा 1962 के लिए 322 रु० प्रति टन की औसत कीमत मानते हुए।

(ख) इन पिटहैड स्टापों को समाप्त करने के लिए कोयला कंपनियों द्वारा निम्नलिखित उपाय किए जा रहे हैं :—

(1) रेलवे लोडिंग के लिए उपलब्ध कोयले को रेलवे लाइडिंग तक परिवहन करके वृद्धि की जा रही है, यहां तक कि रेलवे साइडिंग से 3 कि० मी० से अधिक की दूरी स्थित पिटहैडों के कोयले के स्टाक को भीर रेलवे साइडिंग तक लाया जा रहा है।

(2) गृहीत माध्यमों जैसे रोप-वे, वल्ट, और मेरी-गो-राउन्ड प्रणाली के माध्यम से प्रेषणों को बढ़ाया जा रहा है।

(3) चूंकि सड़क से जुड़ी कोलरियों में बड़ी मात्रा में स्टाक उपलब्ध है, अतः बड़े उपभोक्ताओं जैसे विद्युत उपयोगिताओं और सीमेंट इकाइयों को सलाह दी गई है कि ऐसे स्रोतों आदि पर उपलब्ध कोयले का सड़क द्वारा उठान कर लिया जाए।

(4) सभी उपभोक्ताओं को पिटहैडों से 20 मि० टन कोयला जारी किए जाने की एक योजना शुरू की गई है, जिसमें वास्तविक उपभोक्ताओं को, बिना किसी प्रायोजकता के, प्राथमिकता दी जा रही है।

कोयले की पूर्ति के लिए भुगतान के निबंधन और शर्तों में संशोधन

3121. **श्री अजीत जोगी :**
श्री छोटूभाई पटेल :

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार ने कोयला की उक्त खपत वाले उद्योगों को कोयले की पूर्ति के लिए भुगतान के निबन्धन और शर्तों में संशोधन किया है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या रेल वैगनों की कमी के कारण विविध प्रकार के कोयले के आवंटन और वास्तविक लदान के नीचे 15 दिन से 3 माह तक का अत्यधिक समय लग जाता है ;